Library

School of Planning and Architecture, Bhopal

S.No.1 , मार्च 2023

निक भास्कर 05/03/2023 पेज न. 11 (सिटी भास्कर)

दैनिक भास्कर
ऐतिहासिक
सफलता के
40 वर्ष

20,00
करोड़ सालाना का कारोबार
2500 से अधिक छोटी-बड़ी

ऐसे बदलेगा इंदौर

राष्ट्रीय स्तर के एजुकेशन इंस्टिट्यूट खुलना चाहिए

▪ **मयंक दुबे**, असिस्टेंट प्रोफेसर
स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर

अलग -अलग सेक्टर में इंदौर देश के शीर्ष 10 शहरों में शामिल होने के लिए तेजी से बढ़ रहा है। टीयर-2 सिटी में तो कई मामलों में इंदौर टॉप-5 में है। इंडस्ट्रियल मैन्यूफेक्चरिंग, अर्बन डेवलपमेंट, एनवायरनमेंट, कनेक्टिविटी में बेहतर काम किया जा रहा है। ट्रैफिक मैनेजमेंट आज भी इंदौर के लिए चुनौती बना हुआ है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए कम से कम 20 साल आगे का प्लान बनाने की जरूरत है। मप्र में होने वाले निवेश का सबसे बड़ा हिस्सा इंदौर में जाता है। इंडस्ट्रियल के साथ होटल और इंटरटेनमेंट सेक्टर का बड़ा निवेश अगले पांच साल में इंदौर में होना है। उसे देखते हुए स्किल्ड मैन पॉवर की जरूरत होगी। नेशनल लेवल के एजुकेशन इंस्टिट्यूट शुरू करने की जरूरत है।